खुलेगा गुड़ प्रसंस्करण यूनिट

मोतीपुर में खुलेगा, लीची के बाद अब गुड़ बनेगी जिले की खेती की पहचान

जासं, मोतीपुर/मुजफ्फरपुर : बिहार के गन्ना किसानों की माली हालत सुधारने के लिए गुड़ उद्योग को बढ़ावा देगी केंद्र सरकार। इसके लिए मोतीपुर में आधुनिक गुड़ प्रसंस्करण यूनिट खुलेगा। किसानों के प्रशिक्षण के लिए आधुनिक सुविधायुक्त छात्रावास बनेगा। यहां निर्मित गुड़ दिल्ली व दूसरे मल्टीसिटी के मॉल में बिकेंगे। लीची के साथ ही गन्ना के स्वास्थ्यवर्द्धक गुड़ उत्पादन के लिए मुजफ्फरपुर का नाम देश के दूसरे हिस्से के किसान जानेंगे। इसकी घोषणा केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने रविवार को केंद्रीय भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र मोतीपुर के निरीक्षण के क्रम में की तथा अपनी सहमति दी। किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की उदासीनता के कारण बिहार में चीनी मिल की हालत बहुत खराब है। इसका असर किसानों पर है इसलिए केंद्र सरकार गुड़ उद्योग को बढ़ावा देगी और इसके साथ ही बंद चीनी मिल चालू करने की पहल भी जारी है।

मोतीपुर में बनने वाले प्रशिक्षण केंद्र पर करीब ढाई करोड़ की लागत आएगी तथा प्रसंस्करण यूनिट पर तीन लाख की लागत होगी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गन्ना अनुसंधान केंद्र पर वैज्ञानिक की नियुक्ति के साथ दूसरी जो भी जरूरत है उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने गुड का चखा तथा वैज्ञानिकों की शोध की सराहना की। इस मौके पर राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक डा.विशालनाथ ने किसानों के बीच लीची बागवानी से जुड़ी पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया।

मोतीपुर में गन्ना अनुसंधान केंद्र का निरीक्षण करते केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह

दूसरे राज्यों के किसानों को दी जाएगी ट्रेनिंग

फोरलेन किनारे अवस्थित इस सेंटर पर गुड़ सेंटर खुलेगा। यहां से बनी गुड़ बिहार व बिहार से बाहर जाएगी। दूसरे राज्य के किसानों को लाकर गुड़ बनाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। यहां बनने वाली गुड़ स्वास्थ्यवर्द्धक होगी। सेंटर निदेशक डा.अश्विनी दत्त पाठक ने कहा कि कार्बनिक यानि बिना केमिकल के तैयार होगा। सेंटर को चार वैज्ञानिक की नियुक्ति होगी। अभी दो वैज्ञानिक है। मौके पर लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक डा.विशालनाथ, प्रमुख वैज्ञानिक एसडी पाण्डेय, गन्ना केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डा. एसएन सिंह डा.रामजी लाल, डा.अजय साह आदि उपस्थित थे।

संस्कार से ही समाज का विकास

कांटी (मुजफ्फरपुर), संस : केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा कि नई पीढ़ी में उच्च शिक्षा के माध्यम से ही संस्कार मिल सकता है जिसकी अगुवाई में समाज का विकास संभव है। अच्छे संस्कार हासिल करने वाले बच्चे देश की उन्नति में सहभागी होते हैं, इसलिए अभिभावकों को विद्यालय के चयन में सतर्कता बरतनी चाहिए। सद्गातपुर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के प्रथम वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शिक्षा के अभाव के कारण अंग्रेजों ने भारत पर शासन किया। अंग्रेजी हुकूमत ने युवा पीढ़ी को शिक्षा से दूर रखा और दमनकारी शासन किया। अब नई पीढी को आगे आकर देश हित में काम करना है जिसके लिए उच्च शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी है। बच्चों में संस्कार के लिए अंग्रेजी स्कूल से अच्छी शिक्षा सरस्वती विद्या मंदिर में मिलती है जहा से पढाई करके हजारों युवा देश के विकास में कार्य कर रहे हैं। स्थानीय विधायक अशोक चौधरी ने सरस्वती विद्या मंदिर के विकास के लिए हरसभव मदद की बात कही। अन्य वक्ताओं में नगर विधायक सुरेश शर्मा, बोचहां विधायक बेबी कुमारी, आरएसएस के प्रांत प्रचारक रामकुमार जी आदि प्रमुख थे। विद्यालय के बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति की।